

SEMESTER I

I. MAJOR COURSE –MJ 1:

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100

Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40

(Credits: Theory-04) Theory: 60 Lectures

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा – :

1. विद्यार्थी 11वीं शताब्दी से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्द्ध तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक सन्दर्भ का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिंदी साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
4. हिंदी के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई 1 – हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्येतिहास में काल विभाजन और नामकरण की समस्या।

इकाई 2 – आदिकाल का नामकरण और कालसीमा, आदिकालीन काव्य -
प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो काव्य परम्परा, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।
प्रमुख रचनाकार – विद्यापति, अमीर खुसरो

इकाई 3 – भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियाँ, संतकाव्य परम्परा, सूफ़ीकाव्य परम्परा, कृष्णकाव्य परम्परा, रामकाव्य परम्परा। प्रमुख कवि- कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा

अनुशंसित पुस्तकें :-

- | | |
|---------------------------------------|--------------------------------|
| 1. हिंदी साहित्य का इतिहास | - आ. रामचंद्र शुक्ल |
| 2. हिंदी साहित्य का इतिहास | - डॉ. नगेन्द्र (सं.) |
| 3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास | - डॉ. गणपति चंद्र गुप्त |
| 4. हिंदी साहित्य का आदिकाल | - डॉ. ठाकुरी प्रसाद द्विवेदी |
| 5. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास | - डॉ. बच्चन सिंह |
| 6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास | - डॉ. बच्चन सिंह |
| 7. साहित्य और इतिहास | - सुखदा पाण्डेय |
| 8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास | - डॉ. रामकुमार वर्मा |
| 9. हिंदी साहित्य का अतीत | - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| 10. पृथ्वीराज रासो की भाषा | - डॉ. नामवर सिंह |
| 11. तुलसीदास | - डॉ. नन्द किशोर नवल |
| 12. तुलसी | - उदय भानु सिंह |
| 13. लोकवादी तुलसीदास | - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी |
| 14. तुलसीदास | - माता प्रसाद गुप्त |
| 15. गोस्वामी तुलसीदास | - आचार्य रामचंद्र शुक्ल |
| 16. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य | - डॉ. मैनेजर पाण्डेय |
| 17. सूर की काव्य चेतना | - बलराम तिवारी |
| 18. सूरदास | - आचार्य रामचंद्र शुक्ल |
| 19. कबीर एक नयी दृष्टि | - डॉ. रघुवंश |
| 20. कबीरदास विविध आयाम | - प्रभाकर श्रोत्रिय (सं.) |
| 21. कबीर का महत्त्व | - हरिशंकर अग्रवाल |
| 22. जायसी एक नयी दृष्टि | - डॉ. रघुवंश |
| 23. जायसी | - विजय देव नारायण साहू |

II. SKILL ENHANCEMENT COURSE- SEC 1:

कार्यालयी हिंदी

Marks: 75 (ESE: 3Hrs) = 75

Pass Marks: Th (ESE) = 30

(Credits: Theory-03) 45 Hours

इकाई-1 कार्यालय में हिन्दी प्रयुक्ति का महत्व, कार्यालयी पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण।

इकाई-2 कार्यालयी हिन्दी की अन्य प्रयुक्तियाँ- ज्ञापन, अनुस्मारक, अधिसूचना, विज्ञापन, निविदा, पृष्ठांकन।

इकाई-2 कार्यालयी हिन्दी की प्रयुक्तियों का अभ्यास, पत्राचार लेखन।

अनुशंसित पुस्तकें :-

- | | |
|--------------------------------------|--|
| 1. कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग | : डॉ० गोपीनाथ श्रीवास्तव |
| 2. कार्यालयीन हिन्दी | : डॉ० किशोरीलाल वर्मा |
| 3. अनुप्रयुक्त राजभाषा | : डॉ० मणिक मृगेश |
| 4. प्रशासनिक हिन्दी | : डॉ० पी. पी. आंडाल |
| 5. राजभाषा हिन्दी | : डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया |
| 6. राजभाषा हिन्दी | : डॉ० इकबाल अहमद |
| 7. प्रयोजनमूलक हिंदी | : डॉ० बालेन्दु शेखर तिवारी |
| 8. व्यावहारिक हिन्दी | : डॉ० जंग बहादुर पाण्डेय |
| 9. कार्यालयी हिंदी | : डॉ० बालेन्दु शेखर तिवारी, अभिषेक अवतंस |
| 10. राजभाषा संकल्प | : डॉ० मधु भारद्वाज |
| 11. पारिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएँ | : डॉ० भोलानाथ तिवारी |